समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का 3-स्तंभ फ़ोकस : कृषि, वानिकी और आजीविका फसलों पर जोर

Publisher

Published on 10 Feb 2026

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित **द्विपक्षीय व्यापार समझौता (BTA)** में **कृषि, वानिकी और आजीविका-से जुड़े फसलों** को बढ़ावा देने को **तीन मुख्य स्तंभों** के रूप में रखा गया है। इन तीनों पर एक साथ ध्यान देना इस समझौते को **रोज़गार, निर्यात और ग्रामीण आजीविका** के लिये अधिक संतुलित और किसान-हितैषी बनाने की कोशिश करता है।

विशेष रूप से यह तीन स्तंभ हैं:

1. प्रमुख कृषि उत्पादों पर निर्यात वृद्धि

2. वानिकी से जुड़े वस्तुओं का निर्यात मजबूत करना

3. भविष्य-उन्मुख और आजीविका फसलों का समर्थन

पहला स्तंभ : कृषि आधारित निर्यात विस्तार

पहला स्तंभ उन उत्पादों पर केंद्रित है जिनमें भारत पहले से ही वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति रखता है। इसमें:

- समुद्री उत्पाद
- मसाले
- चाय-कॉफी
- चावल
- फल-फूल

इन वस्तुओं के लिए **अमेरिका के बाजार मे शून्य या कम शुल्क का अवसर** मिलेगा, जिससे किसानों की **आय और**

निर्यात संभावनाएँ बढ़ सकती है।

इस दिशा में भारत के निर्यात को **46 बिलियन डॉलर तक के बाजार** तक पहुंचाने की योजना है, जो भारतीय कृषि को **अमेरिकी आयातकों के बीच अधिक प्रतिस्पर्धी बनाता है**।

दूसरा स्तंभ : वानिकी-सम्बंधित उत्पादों का समर्थन

दूसरा स्तंभ **वानिकी या फ़ॉरेस्ट्री-आधारित वस्तुओं** पर केंद्रित है। इसमें कुछ पारंपरिक कृषि की तुलना में अलग-सा सेक्टर शामिल है, जैसे कि **वनस्पति सैप इत्यादि**, जिनका निर्यात अमेरिका को पहले से होता आया है।

इस पैटर्न के तहत वानिकी उत्पादों को **कम या शून्य शुल्क तक पहुंच** दिया जाता है, जिससे यह क्षेत्र **आजीविका की विविधता प्रदान करने वाला स्रोत** बन सकता है — विशेषकर उन समुदायों के लिये जो कृषि-मुख्य नहीं हैं।

तीसरा स्तंभ : आजीविका-फसलों और भविष्य-मुखी कृषि वस्तुओं पर फोकस

तीसरा स्तंभ उन फसलों और कृषि वस्तुओं को सशक्त बनाना चाहता है जो **परंपरागत मुख्य फसलों के अलावा ग्रामीण आजीविका** के लिये महत्वपूर्ण हैं।

इनमें शामिल हैं:
- प्रोसेस्ड फल उत्पाद
- नारियल-तेल तथा उससे बने उत्पाद
- अन्य 'आज की अफ़ोर्डेबल और भविष्य-सक्षम' वस्तुएँ.

इन वस्तुओं का अमेरिका में निर्यात बढ़ाने से **छोटे-स्तर के किसानों और महिलाओं-नेतृत्व वाले उद्यमों** के लिये आय के नए अवसर खुल सकते हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.